हिंदी विभाग
दिल्ली विश्वविद्यालय
दिल्ली–110007

अधिनियम–VI के संबंध में विश्वविद्यालय की अधिसूचना (09.08.2017) के अनुसार
एम.फिल्. समिति (01.02.2018) की बैठक में पारित क्रेडिट आधारित पाठ्यक्रम

एम.फिल्. हिंदी पाठ्यक्रम

प्रश्नपत्र 1 : शोध : प्रविधि और प्रक्रिया	**100 अंक, 4 क्रेडिट**
प्रश्नपत्र 2 : वैकल्पिक विषय	**100 अंक, 4 क्रेडिट**
प्रश्नपत्र 3 : वैकल्पिक विषय संबंधी सेमिनार	**100 अंक, 4 क्रेडिट**
प्रश्नपत्र 4 : (i) लघु शोध प्रबंध	**200 अंक, 8 क्रेडिट**
(ii) मौखिक परीक्षा	**100 अंक, 4 क्रेडिट**

प्रश्नपत्र : I – शोध : प्रविधि और प्रक्रिया — 100 अंक, 4 क्रेडिट — 3 घंटे

- शोध : अभिप्राय, स्वरूप एवं प्रयोजन
- शोध : अनुसंधान, गवेषणा और सर्वेक्षण
- शोध में प्राक्कल्पना, कल्पना, विपरीत कल्पना और परिकल्पना
- शोध में तथ्य और सत्य
- साहित्यिक शोध और वैज्ञानिक शोध
- प्रमुख शोध पद्धतियाँ : तुलनात्मक, मनोवैज्ञानिक, समाजशास्त्रीय, अंतरानुशासनिक, भाषावैज्ञानिक, पाठालोचनात्मक, ऐतिहासिक एवं सांस्कृतिक
- शोध और आलोचना
- शोध की प्रविधि और प्रक्रिया
- शोध के साधन एवं उपकरण
- शोध में सामग्री–संकलन की प्रविधि और उपादेयता
- शोध के प्रकार
- शोध प्रबंध की रूपरेखा निमार्ण–पद्धति
- संदर्भ ग्रंथ सूची निर्माण की प्रक्रिया

सहायक पुस्तकें :

1. अनुसंधान का स्वरूप – सं. सावित्री सिन्हा
2. अनुसंधान की प्रक्रिया – सं. सावित्री सिन्हा तथा विजयेन्द्र स्नातक
3. अनुसधान प्रविधि, प्रक्रिया विषयक लेख – डॉ. नगेन्द्र
4. अनुसंधान का विवेचन – डॉ. उदयभानु सिंह
5. अनुसंधान के मूल तत्व – डॉ. उदयभानु सिंह
6. शोध–प्रक्रिया – डॉ. विनय मोहन शर्मा
7. भारतीय पाठालोचन की भूमिका – (हिंदी अनुवाद) डॉ. एस.एम. कत्रे
8. पाठालोचन : सिद्धांत और प्रक्रिया – मिथिलेश कत्रे
9. पाण्डुलिपि विज्ञान – रामगोपल शर्मा 'दिनेश'
10. संरचनात्मक शैलीविज्ञान – रवींद्रनाथ श्रीवास्तव
11. साहित्य के समाजशास्त्र की भूमिका – मैनेजर पांडेय
12. इन्ट्रोडक्शन टू रिसर्च – टी. हेलवे
13. दि स्ट्रैट्जी ऑफ रिसर्च – इसर जार्ज, पागेट थम्पसन
14. फैक्ट्स : हाउ टू फाइन्ड देम (ए गाइड टू रिसर्च) – डब्ल्यू ए. बाग्गले

प्रश्नपत्र : II निम्नलिखित वैकल्पिक वर्गों में से कोई एक वर्ग

वर्ग (क) मध्यकालीन चिंतन और साहित्य
वर्ग (ख) आधुनिक चिंतन और साहित्य
वर्ग (ग) भाषाविज्ञान और हिंदी भाषा
वर्ग (घ) संचार माध्यम और अनुवाद
वर्ग (घ)रंगमंच

प्रश्पनत्र : II – वर्ग (क) मध्यकालीन चिंतन और साहित्य अंक : 100, 4 क्रेडिट 3 घंटे

मध्यकाल

- मध्यकाल : समय, समाज और संस्कृति
- मध्यकालीन बोध का स्वरूप
- मध्ययुगीनता की अवधारणा
- मध्यकालीन काव्य भाषा
- भक्तिकाव्य : सामाजिक–सांस्कृतिक पृष्ठभूमि
- भक्ति–आंदोलन का अखिल भारतीय परिप्रेक्ष्य
- भक्तिकाव्य और लोक जागरण
- भक्ति–आंदोलन और हिंदी–प्रदेश
- भक्ति–काव्य और सम्भाव
- रीतिकाल : ऐतिहासिक–सामाजिक पृष्ठभूमि
- दरबारी संस्कृति और रीतिकालीन काव्य
- श्रृंगार का समाजशास्त्र और रीतिकालीन श्रृंगार–काव्य
- रीतिकाल और मूल्य–बोध
- रीतिकालीन कवियों की सौंदर्य–दृष्टि
- रीतिकालीन काव्यशास्त्र : परम्परा और विमर्श

सहायक ग्रंथ

1. हिंदी साहित्य का इतिहास – रामचंद्र शुक्ल
2. हिंदी साहित्य की भूमिका – हजारी प्रसाद द्विवेदी
3. परम्परा का मूल्यांकन – रामविलास शर्मा
4. भारतीय सौंदर्यबोध और तुलसीदास – रामविलास शर्मा
5. दूसरी परंपरा की खोज – नामवर सिंह
6. हिंदी साहित्य का अतीत –भाग :1–2 – विश्वनाथ प्रसाद मिश्र
7. राधवल्लभ सम्प्रदाय : सिद्धांत और साहित्य – विजयेन्द्र स्नातक
8. मध्यकालीन कृष्ण काव्य की सौंदर्य–चेतना – डॉ. पूरनचंद टण्डन
9. कृष्ण काव्य में लीला वर्णन – जगदीश भारद्वाज
10. भक्ति आंदोलन और सूरदास का काव्य – मैनेजर पाण्डेय
11. भक्तिकाव्य की भूमिका – प्रेमशंकर
12. भक्ति आंदोलन के सामाजिक आधार – सं. गोपेश्वर सिंह
13. रीतिकाव्य की भूमिका – नगेन्द्र
14. सबाल्टर्न स्टडीज़ – सं. रंजीत गुहा

15.	मध्यकालीन भारत : एक आयाम	–	हरबंस मुखिया
16.	भारतीय चिंतन परंपरा	–	के. दामोदरन
17.	मध्यकालीन बोध का स्वरुप	–	हजारीप्रसाद द्विवेदी
18.	लोकजागरण और हिंदी–साहित्य	–	रामविलास शर्मा
19.	रीतिकालीन रीतिकवियों का काव्य शिल्प	–	महेन्द्र कुमार
20.	हिंदी साहित्य का उत्तर मध्यकाल : रीतिकाल	–	महेन्द्र कुमार

प्रश्नपत्र : II – वर्ग (ख) आधुनिक चिंतन और साहित्य

अंक : 100 , 4 क्रेडिट **3 घंटे**

- भारतीय नवजागरण का व्यापक परिप्रेक्ष्य और हिंदी नवजागरण
- आधुनिकता, आधुनिकतावाद, उत्तर-आधुनिकतावाद, समकालीनता
- गाँधीवाद : सत्य, अहिंसा और स्वराज, गाँधीवाद और हिंदी साहित्य
- अस्तित्ववाद और मनोविश्लेषणवाद
- मार्क्सवादी साहित्य चिंतन : आधार और अधिरचना, साहित्य का वर्ग आधार, साहित्य की सापेक्ष स्वायत्तता, अंतर्वस्तु और रूप का संबंध, साहित्य और यथार्थ
- अस्मितामूलक विमर्श : स्त्री विमर्श, दलित विमर्श, आदिवासी विमर्श
- अन्य अवधारणाएँ : मानववाद, राष्ट्रवाद, प्राच्यवाद।

सहायक ग्रंथ

1.	नव मानववाद	–	एम.एन. राय अनु. नंद किशोर आचार्य
2.	नेशन एंड नेरेशन	–	(सं.) होमी जे. भाभा
3.	महावीर प्रसाद द्विवेदी और हिंदी नवजागरण	–	रामविलास शर्मा
4.	महावीर प्रसाद द्विवेदी और उनका युग	–	उदयभानु सिंह
5.	हिंदी नवजागरण और संस्कृति	–	शंभुनाथ
6.	इंडियन रेनेसां	–	सुशोभन सरकार
7.	भारतेंदुयुग और हिंदी नवजागरण की समस्याएँ	–	रामविलास शर्मा
8.	आज का दलित साहित्य	–	तेज सिंह
9.	अंबेडकर वाड्.मय	–	भीमराव अम्बेडकर
10.	दलित साहित्य का सौंदर्यशास्त्र	–	शरण कुमार लिंबाले (अनु.)
11.	स्त्री पराधीनता	–	जान स्टुअर्ट मिल्स (अनु.)
12.	परिधि पर स्त्री	–	मृणाल पांडेय
13.	स्त्रीवादी विमर्श : समाज और साहित्य	–	क्षमा शर्मा
14.	उपनिवेश में स्त्री	–	प्रभा खेतान
15.	स्त्रीवादी साहित्य विमर्श	–	जगदीश्वर चतुर्वेदी

प्रश्पनत्र : II – वर्ग (ग) भाषाविज्ञान और हिंदी भाषा

अंक : 100, 4 क्रेडिट **3 घंटे**

- भारत के भाषा–परिवार
- सस्यूर के भाषिक प्रतीक
- ब्लूमफील्ड और संरचनात्मक भाषाविज्ञान
- चॉम्स्की का भाषा–चिंतन

- भाषा और सामाजिक अस्मिता
- बहुभाषिकता और उसके विभिन्न आयाम
- कोड–मिश्रण और कोड–अंतरण
- पिजिन और क्रियोल
- भाषा–शिक्षण और भाषा
- हिंदी का जनपदीय, राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय संदर्भ
- हिंदी और मानकीकरण के संदर्भ
- हिंदी और आधुनिकीकरण
- हिंदी का समाजभाषिक संदर्भ

सहायक ग्रंथ

1.	हिंदी भाषा का समाजशास्त्र	–	रवीन्द्रनाथ श्रीवास्तव
2.	आधुनिक भाषाविज्ञान	–	भोलानाथ तिवारी
3.	भाषा (हिंदी अनुवाद)	–	ब्लूमफील्ड
4.	भाषा और समाज	–	रामविलास शर्मा
5.	हिंदी भाषा : इतिहास और स्वरूप	–	राजमणि शर्मा
6.	हिंदी भाषा : संरचना के विविध आयाम	–	रवीन्द्रनाथ श्रीवास्तव
7.	आधुनिक भाषाविज्ञान	–	कृपाशंकर सिंह, चतुर्भुज सहाय
8.	भाषाई अस्मिता और हिंदी	–	रवीन्द्रनाथ श्रीवास्तव
9.	ऐतिहासिक भाषाविज्ञान और हिंदी भाषा	–	रामविलास शर्मा
10.	आधुनिक भाषाविज्ञान	–	राजमणि शर्मा
11.	भाषाविज्ञान की भूमिका	–	देवेन्द्रनाथ शर्मा
12.	आजीविका साधक हिंदी	–	डॉ. पूरनचंद टण्डन
13.	हिंदी, प्रयोजनमूलक हिंदी	–	डॉ. पूरनचंद टण्डन

प्रश्नपत्र : II – वर्ग (घ) : संचार माध्यम और अनुवाद **अंक : 100, 4 क्रेडिट 3 घंटे**

- विकासमूलक अध्ययन की सैद्धांतिकी
- संरचनामूलक अध्ययन की सैद्धांतिकी
- विखंडनमूलक अध्ययन की सैद्धांतिकी
- **चिह्न**शास्त्रीय माध्यम अध्ययन की सैद्धांतिकी
- मार्क्सवादी दृष्टि से माध्यम की ऐतिहासिक द्वंद्वात्मक अध्ययन की सैद्धांतिकी
- स्त्रीवादी अध्ययन की सैद्धांतिकी
- सांस्कृतिक अध्ययन की सैद्धांतिकी
- स्वाधीनता आंदोलन और हिंदी पत्रकारिता
- लोकतंत्र और मीडिया
- सोशल मीडिया और हिंदी
- जनसंचार माध्यमों में अनुवाद की भूमिका

सहायक ग्रंथ

1. मीडिया एण्ड मॉडर्निटी (1988) – जॉन बी. थॉम्पसन (पॉलिटी प्रैस)
2. टेलीविज़न – रेमण्ड विलियम्स
3. ब्रॉडकॉस्टिंग इंडिया – पी.सी. चटर्जी
4. जनमाध्यम : प्रोद्यौगिकी और विचारधारा – जगदीश्वर चतुर्वेदी
5. जनमाध्यम सैद्धांतिकी – सुधा सिंह
6. भूमंडलीकरण और मीडिया – कुमुद शर्मा
7. नया सिनेमा – विनोद भारद्वाज
8. दूरदर्शन : विकास से बाजार तक – सुधीश पचौरी
9. हिंदी पत्रकारिता और साहित्य – क्षमा शर्मा
10. जनसंचार माध्यमों का वैचारिक परिप्रेक्ष्य – जबरीमल्ल पारख
11. संचार माध्यमों का वर्ग चरित्र – रेमण्ड विलियम्स (अनु.)
12. सूचना क्रांति की राजनीति और विचारधारा – सुभाष धूलिया
13. संस्कृति–विकास और संचार–क्रांति – पूरनचंद्र जोशी
14. अनुवाद : सिद्धांत और समस्याएँ – रवीन्द्रनाथ श्रीवास्तव, कृष्णकुमार गोस्वामी (सं.)
15. अनुवाद : सिद्धांत और अनुप्रयोग – नगेन्द्र (सं.)
16. अनुवाद विज्ञान की रूपरेखा – सुरेश कुमार
17. अनुवाद के विविध आयाम – डॉ. पूरनचंद टंडन, डॉ. हरीश सेठी
18. अनुवाद शतक (भाग 1,2) – डॉ. पूरनचंद टंडन

प्रश्नपत्र : II – वर्ग (ड.) रंगमंच **अंक : 100, 4 क्रेडिट** **3 घंटे**

- भारतीय नाट्यशास्त्र की मुख्य अवधारणाएँ
- भारतीय रंगमंच और पश्चिमी रंगमंच की अवधारणाएँ
- रंगमंच के प्रकार : भेद–प्रभेद
- ग्रीक रंगमंच, स्वच्छंदतावादी, यथार्थवादी रंगमंच, विसंगतिवादी रंगमंच, अभिव्यंजनावादी रंगमंच, प्रतीकवादी रंगमंच
- प्रस्तुति प्रक्रिया का अध्ययन
- नाट्यालेख और रंग–आलेख में अंतर
- नाट्यानुभूति और रंगानुभूति
- रंगमंचीय संचार की संरचना
  –अमूर्त और मूर्त का अंतस्संबंध एवं नियोजन
  –दृश्य की पटकथा
- रंग–प्रक्रिया के विभिन्न घटक
  –रचनाकार, निर्देशक, अभिनेता, पार्श्वकर्मी, प्रेक्षक, ब्रेख़्त की अवधारणा
- महानाट्य की अवधारणा
- पृथक्करण का सिद्धांत
- स्तानिस्लाव्स्की की अभिनय पद्धति

- हिंदी रंगमंच का विकास – भारतेन्दु, पारसी, पृथ्वी थियेटर, इप्टा, जयशंकर प्रसाद का रंगमंच, मोहन राकेश का रंगमंच
- हिंदी का लोक रंगमंच – रामलीला, रासलीला, स्वाँग, नौटंकी, ख्याल, माच और नुक्कड़ नाटक
- किसी सद्यःपठित/प्रदर्शित नाटक का रंग–विश्लेषण

सहायक ग्रंथ

1. रंग–दर्शन : नेमिचंद्र जैन
2. रंगमंच : बलवंत गार्गी
3. भारतीय और पाश्चात्य नाट्यशास्त्र : सीताराम चतुर्वेदी
4. भरत और भारतीय नाट्यशास्त्र : सुरेन्द्रनाथ दीक्षित
5. नाट्य शास्त्र : भरत (हिंदी अनुवाद)
6. नाट्यशास्त्र विश्वकोश

प्रश्नपत्र–III **100 अंक, 4 क्रेडिट**

सेमिनार

प्रत्येक शोधार्थी को नियत समयावधि के अंतर्गत ही वैकल्पिक प्रश्नपत्र तथा लघु शोध–प्रबंध के विषय से संबंधित दो सेमिनार देना आवश्यक है।

प्रश्नपत्र–IV **300 अंक 8+4 =12 क्रेडिट**

(i) **लघु शोध–प्रबंध** **200 अंक, 8 क्रेडिट**

(ii) **मौखिक परीक्षा** **100 अंक, 4 क्रेडिट**